भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 470 का उत्तर

कृषि उत्पादों के लिए विशेष रेलगाड़ी

470. श्री अनिल यशवंत देसाई:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्तमान में उन स्थानों से कृषि विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं जहां कृषि वस्तुओं का उत्पादन बहुत अधिक होता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ऐसी रेलगाड़ियां किसानों के लिए अपनी शीघ्र खराब होने वाली कृषि वस्तुओं, फलों, सब्जियों को बचाने और दूर-दराज के बाजारों में भेजने के लिए उपयोगी हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान ऐसी रेलगाड़ियों पर हुए व्यय और इनसे अर्जित आय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): केंद्रीय बजट 2020-21 में की गई घोषणा के अनुपालन में, भारतीय रेल ने फलों, सब्जियों, मांस, मुर्गी पालन, मत्स्य और दुग्ध उत्पादों जैसे नश्यवान पण्यों को उत्पादन या अधिशेष क्षेत्रों से खपत या कमी वाले क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए किसान रेल रेलगाड़ियों की शुरुआत की है।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और राज्य सरकारों के कृषि/पशुपालन/मत्स्यपालन विभागों और स्थानीय निकायों तथा एजेंसियों, मंडियों आदि के परामर्श से सब्जियों, फलों

और अन्य नश्यवान पण्यों के संचलन के लिए संभावित सर्किटों की पहचान की जाती है तथा परिचालनिक व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए मांग के आधार पर लागू दर-सूची पर सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

दिनांक 7 अगस्त 2020 को किसान रेल सेवा के शुरू होने के बाद से, देश भर में कुल 2,364 किसान रेल सेवाएँ परिचालित की जा चुकी हैं, जिनसे लगभग 7.9 लाख टन नश्यवान पण्यों का परिवहन किया जा चुका है और लगभग 318.68 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया है।

किसान रेल गाड़ियों सहित किसी भी प्रकार की रेलगाड़ी सेवाओं के परिचालन पर उपगत व्यय के संबंध में अलग से डेटा नहीं रखा जाता है।

******